<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 288

24 जून, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों में दुर्घटनाएं

288. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरेः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश भर के विभिन्न इस्पात संयंत्रों में दुर्घटनाओं और जानमाल के नुकसान का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस्पात संयंत्रों में खराब रखरखाव प्रणाली के क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस्पात संयंत्रों में होने वाली घातक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की गई है/की जानी है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): देश में इस्पात निर्माण के दो केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) नामतः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। गत तीन वर्षों के दौरान सेल और आरआईएनएल में घातक दुर्घटनाओं की राज्य-वार, संयंत्र-वार और वर्ष-वार संख्या दर्शाने वाला एक विवरण **अनुलग्नक** के रूप में संलग्न है।

इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। देश में बड़ी संख्या में इस्पात कारखाने/संयंत्र मौजूद है। जहाँ तक निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों का संबंध है, इस्पात मंत्रालय द्वारा ये अपेक्षित आंकड़े/सूचनाएं नहीं रखी जाती हैं।

(ख): सेल संयंत्र आईएसओ 9001 प्रमाणित होने के नाते इसका एक समुचित रख-रखाव प्रबंधन सिस्टम है। सेल संयंत्रों में संयंत्रों का सही प्रचालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न रख-रखाव पद्धतियों को अपनाया जा रहा है जैसे कि बड़े उपकरण के लिए हर वर्ष कैपिटल

रिपेयर योजना तैयार की जाती है और उसको समय-समय पर मॉनीटर किया जाता है, उपकरण की देखभाल के लिए सभी बड़े उपकरणों की मानक रख-रखाव पद्धतियाँ (एसएमपी) तैयार की गई हैं, खराबी की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए खराबी का विश्लेषण किया जाता है, उपकरण की देखभाल, निरीक्षण, ऑयलिंग और पुनः कसने आदि जैसा नियमित रख-रखाव किया जाता है और उपकरण के रख-रखाव से संबंधित विभिन्न मुद्दों के प्रति जागरुकता पैदा की जाती है और प्रशिक्षण दिया जाता है।

इसी प्रकार आरआईएनएल में अनुरक्षण सिस्टम और पद्धतियों की समीक्षा निरंतर की जाती है और अद्यतन गतिविधियों के साथ तालमेल बिठाकर सिस्टम में सुधार किए जाते हैं। चरण-1 (3 मिलियन एमटी) और चरण-2 (6.3 मिलियन एमटी) यूनिटों के लिए कंप्यूटरीकृत ओरेकल आधारित रख-रखाव प्रबंधन सिस्टम (एमएएमएस) है। क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा समय-समय पर रख-रखाव प्रमुख और कार्य प्रभाग के प्रमुख द्वारा की जा रही है। आरआईएनएल में विभिन्न स्तरों पर अर्थात् शॉप-फ्लोर, तकनीकी सेवा और क्रॉस फंक्शनल टीमों के स्तर पर रख-रखाव की मुख्य खराबियों के विश्लेषण के लिए व्यवस्थित समीक्षा और विश्लेषण तंत्र हैं। इनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित निवारक कार्रवाई शुरू की गई है और उसके प्रभाव की समीक्षा शॉप-फ्लोर समितियों, रख-रखाव प्रमुख और कार्य प्रभाग के प्रमुख द्वारा रख-रखाव/उत्पादन/सुरक्षा पर आवधिक समीक्षा बैठकों के दौरान की जाती है।

(ग): सेल और आरआईएनएल दोनों ने इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई उपाय किये है। इन उपायों में अन्य के साथ-साथ अनुरक्षण अनुसूची का पालन करना, सुरक्षा प्रबंधन के प्रति सुव्यवस्थित दृष्टिकोण पर जोर देना, सुरक्षा पद्धतियों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण, सुरक्षा जागरूकता पर अनिवार्य प्रशिक्षण और विशेष प्रशिक्षण, सुरक्षा ऑडिट करना, निजी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना और कारखाना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के मुताबिक तैयार आपात योजना का उपयुक्त क्रियान्वयन करना इत्यादि शामिल है।

****

<u>अनुलग्नक</u>

(लोकसभा अतारांकित प्रश्न सं. 288 दिनांक 24.06.2019)

पिछले तीन वर्षों के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों और यूनिटों में हुई दुर्घटनाओं के ब्यौरों को दर्शाने वाला विवरण

राज्य	**संयंत्र/यूनिट**	**2016**		**2017**		**2018**	
		दुर्घटनाएं	**मृत व्यक्ति**	**दुर्घटनाएं**	**मृत व्यक्ति**	**दुर्घटनाएं**	**मृत व्यक्ति**
	स्टील अथॉरटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)						
छत्तीसगढ़	भिलाई इस्पात संयंत्र	6	3	6	2	5	14
	भिलाई इस्पात संयंत्र (खान)	11	1	7	0	5	0
पश्चिम बंगाल	दुर्गापुर+इस्को+अलॉय इस्पात संयंत्र+सेल ग्रोथ वर्क्स, कुलटी	3	2	7	10	7	4
ओडिशा	राउरकेला इस्पात संयंत्र	5	2	6	3	8	2
झारखंड	बोकारो इस्पात संयंत्र	5	2	4	1	1	0
तमिलनाडु	सेलम इस्पात संयंत्र	1	0	2	0	1	1
कर्नाटक	विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र	3	0	0	0	2	0
महाराष्ट्र	चंद्रापुर फैरो अलॉय संयंत्र	2	0	0	0	1	0
झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश	कच्चा माल प्रभाग	1	0	3	0	4	1
पश्चिम बंगाल और झारखंड	कोलरीज	3	1	3	0	0	0
छत्तीसगढ़ और झारखंड	सेल रिफ्रेक्टरी संयंत्र	1	0	0	0	0	0
पैन इंडिया	केन्द्रीय विपणन संगठन	1	0	2	0	1	0
	कुल(सेल)	**42**	**11**	**40**	**16**	**35**	**22**
आंध्र प्रदेश	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**	**15**	**6**	**7**	**0**	**8**	**0**
	सकल जोड़	**57**	**17**	**47**	**16**	**43**	**22**

****